

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

वायरल वीडियो मे बाल काटने वाली मशीन असली नहीं, AI ने बनाया है डिजिटल ट्रिक

Publisher

Published on 20 Nov 2025



आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक अजीबो-गरीब मशीन दिखाई जा रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही कोई व्यक्ति अपना सिर मशीन में डालता है, उसके बाल कुछ ही सेकंड में पूरी तरह कट जाते हैं। वीडियो को विदेशों और भारत में भी जगह-जगह शेयर किया जा रहा है। खासकर दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर इसे लगाया गया दिखाया गया है। सोशल मीडिया यूजर्स इसे देखकर चकित हैं और सोच रहे हैं कि क्या सच में ऐसी मशीन लोगों के बाल काट सकती है।

हालांकि, इस वीडियो की सच्चाई कुछ और ही है। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की कोई मशीन फिलहाल अस्तित्व में नहीं है। वायरल वीडियो पूरी तरह से एआई (Artificial Intelligence) तकनीक का कमाल है। यह वीडियो वास्तविक नहीं बल्कि डिजिटल ट्रिक के जरिए बनाया गया है। इस वीडियो में दिख रही मशीन और बाल कटने की प्रक्रिया पूरी तरह से कंप्यूटर जनित है।

AI तकनीक आज हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। कोडिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन तक AI का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। इसके जरिए जटिल कार्यों को आसान बनाया जा सकता है। लेकिन AI का एक नकारात्मक पहलू यह भी है कि यह झूठी और भ्रमित करने वाली वीडियो सामग्री बनाने के लिए भी इस्तेमाल हो सकती है। वायरल हेयरकट मशीन वीडियो इसका जीवंत उदाहरण है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, AI और डिजिटल टूल्स के जरिए बनाई गई वीडियो इतनी वास्तविक लग सकती है कि आम लोग इसे तुरंत सच मान लेते हैं। इस वीडियो में बाल काटने की मशीन की हर क्रिया और गति इतनी सटीक दिखाई गई है कि देखने वाले सोचने लगते हैं कि यह असली है। लेकिन यह सच नहीं है। इस वीडियो को देखकर बार्बर और पार्लर व्यवसायियों के लिए कोई खतरे की बात नहीं है। उनके व्यवसाय पर AI आधारित इस वीडियो का कोई असर नहीं होगा।

सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से फैलते हैं और लोगों को भ्रमित करते हैं। कई लोग यह मान बैठते हैं कि तकनीक इतनी

उन्नत हो गई है कि अब मानव श्रम की जरूरत नहीं रहेगी। हालांकि वास्तविकता में AI और मशीन केवल एक सहायक उपकरण के रूप में काम कर सकते हैं। असली हेयरकट और पैशन, क्रिएटिविटी, और मानव स्पर्श की जरूरत हमेशा रहेगी।

इस वीडियो ने डिजिटल दुनिया में AI की संभावनाओं और खतरे दोनों को उजागर किया है। वीडियो देखने वाले लोग इसे सच मानकर सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं, जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी वायरल वीडियो को सत्यापित किए बिना मान लेना गलत है। इसके पीछे AI और CGI (Computer Generated Imagery) जैसी तकनीकें काम कर रही हैं।

यह घटना यह भी दर्शाती है कि डिजिटल युग में लोगों को सतर्क रहना और किसी भी जानकारी या वीडियो को सीधे सच मानने से पहले उसकी जांच करना आवश्यक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर AI तकनीक का दुरुपयोग बढ़ रहा है, और ऐसे झूठे वीडियो लोगों के बीच भ्रम फैलाने का काम करते हैं।

इसलिए, वायरल वीडियो में दिखाई गई बाल काटने वाली मशीन को वास्तविकता के रूप में स्वीकार न करें। यह केवल एआई और डिजिटल इफेक्ट्स के जरिए बनाई गई एक मज़ेदार, लेकिन असली नहीं वीडियो है। डिजिटल दुनिया में सावधानी बरतना अब हर इंटरनेट यूज़र की जिम्मेदारी बन गई है।

सारांश में कहा जा सकता है कि वायरल हेयरकट मशीन वीडियो ने लोगों को बुद्धि बनाया हो, लेकिन वास्तविकता में यह एक AI-जनित डिजिटल ट्रिक है। सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री को हमेशा तर्क और सत्यापन के साथ देखने की जरूरत है, ताकि झूठी जानकारी के जाल में फंसे बिना सचाई समझी जा सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.